Dr. Chiranjeev Kumar Thakur
Assistant Professor GT
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

B A Part III (H)
Paper V

नातेदारी व्यवस्था ⇒ नातेदारी का अर्थ ⇒ Lecture II

शाब्दिक रूप में नातेदारी का अर्थ है सम्बन्ध। यह सम्बन्ध दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच होता है। समाज के सदस्य आपस में विभिन्न सम्बन्धों के माध्यम से बंधे होते है। ये सम्बन्ध विवाह, रक्त या इन के हो सकते है। जब इन सम्बंधो को समाज द्वारा मान्यता प्राप्त हो जाती है तो यह सम्बन्ध नातेदारी व्यवस्था कहलाती है तथा व्यक्तियों में सम्बन्धित व्यक्ति नातेदार कहलाते है।

नातेदारी व्यवस्था की उत्पत्ति दो प्रकार के परिवारों से होती है, पहला - जनक परिवार -

2020-7-9 17:24

2020-7-9 17:24

तथा दूसरा जनन परिवार। जनक परिवार - ऐसा परिवार जिसमें व्यक्ति का जन्म होता है तथा जनन परिवार - ऐसा परिवार जिसकी उत्पत्ति विवाह द्वारा होता है अर्थात- जब व्यक्ति किसी स्त्री से विवाह करता है तो जनन परिवार का निर्माण होता है। इन दोनों परिवार से नातेदारी व्यवस्था का निर्माण होता है।

अतः स्पष्ट है कि नातेदारी व्यवस्था रक्त सम्बन्धों, विवाह सम्बन्धों और सामाजिक मूल्यों एवं मान्यताओं पर टिकी हुई व्यवस्था है।